हरित भारत! हरित धरा!! हरित प्रदेश!!!

आओ मिलकर पेड़ लगायें

आइये हम सब पर्यावरण के प्रति संकल्पवान हों...

पर्यावरण मित्र-अजीत

You Tube

9415045745

आदरणीय मण्डलायुक्त बस्ती से शिष्टाचार भेंट एवं पर्यावरण पर चर्चा

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

आदरणीय पुलिस महानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र से शिष्टाचार भेंट एवं पर्यावरण पर चर्चा

4
दैनिक जागरण
गोरखपुर, 8 सितंबर, 2020
www.jagran.com

पर्यावरण संरक्षण से संभव है कोविड–19 का मुकाबला

जास. बस्ती : कोरोना के कारण ही लोगों को यह समझ आने लगी है कि प्रकृति के साथ स्वार्थपूर्ति के लिए जिस तरह छेड़छाड़ हुई है उसका ही खामियाजा आज दुनियाभर के लोग भुगत रहे हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण जरूरी है।

पौधों का रोपण के साथ संरक्षण भी करना पड़ेगा। पर्यावरण मित्र व कोरोना के प्रति लगातार जागरूकता अभियान चला रहे अजीत सिंह यादव बताया कि शारीरिक दूरी का ख्याल रखकर ऑफिस या घर का जरूरी काम करें, लेकिन अपनी सेहत पर पूरा ध्यान रखें। कोरोना वायरस से बचने के जरूरी नियमों का पालन करें। जैसे अपनी और घर की साफ-सफाई का पूरा ख्याल रखते हैं, उसी तरह समय-समय पर हाथ धोते रहें। बाहर के खाने से बचें। युवा वर्ग को कोरोना से सचेत किया और कहा कि योग और प्राणायाम नियमित करते रहें। मास्क पहनें और अपनी नाक-कान व मुंह को छूने से बचें। अब संक्रमण का चेन टूट रहा है। यह सभी केवल जागरूकता से ही संभव हुआ है। हमें बाजार में जाना तो है बचाव के साथ। लोगों को यह बताना है कि संक्रमण काल तक खरीदारी करते समय दो गज की दूरी बनाएं रखे।

कोरोना के प्रति जागरूक करते

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

प्रधानाचार्य राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय अम्बेडकर नगर से शिष्टाचार भेंट एवं पर्यावरण पर चर्चा

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

आदरणीय प्रभागीय वन अधिकारी से शिष्टाचार भेंट एवं पर्यावरण पर चर्चा

प्रकृति से छेड़छाड़ पर व्यवस्था होगी असंतुलित : अजीत

स्वतंत्र भारत संवाददाता

बस्ती। मानव जीवन प्रकृति पर आश्रित है। प्रकृति एक विराट शरीर की तरह है। जीव जन्तु, वृक्ष वनस्पति, नदी पहाड़ आदि उसके अंग प्रत्यंग हैं। इनके परस्पर सहयोग से यह वृहद शरीर स्वस्थ और संतुलित है। जिस प्रकार मानव शरीर के किसी एक अंग में खराबी आ जाने से पूरे शरीर के कार्य में बाधा पड़ती है, उसी प्रकार प्रकृति के घटकों से छेड़छाड़ करने पर प्रकृति की व्यवस्था भी गड़बड़ा जाती है। पर्यावरण मित्र अजीत सिंह कहते हैं कि प्रकृति के साथ दुश्मन की तरह नहीं, वरन दोस्त की तरह काम करना चाहिए। हम दिनों दिन पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति लापरवाह होते जा रहे हैं, जिसके परिणाम

आप स्वयं पर्यावरण संरक्षण के महत्व को जान समझ सकते हैं तथा इस अभियान में अपने स्तर पर सतत प्रयासरत रह सकते हैं। भारतीय संस्कृति में पर्यावरण के संरक्षण को बहुत महत्व दिया गया है। यहाँ मानव जीवन को हमेशा मूर्त या अमूर्त रूप में पृथ्वी, जल, वायु, आकाश, सूर्य, चन्द, नदी, वृक्ष एवं पशु पक्षी आदि के साहचर्य में ही देखा गया है। पर्यावरण शब्द का अर्थ है हमारे चारों ओर का वातावरण। पर्यावरण संरक्षण का तात्पर्य है कि हम अपने चारों ओर के वातावरण को संरक्षित करें तथा उसे जीवन के अनुकूल बनाए रखें। पर्यावरण और प्राणी एक दूसरे पर आश्रित हैं। यही कारण है कि भारतीय चिंतन में

जगह-जगह पौधरोपण गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित

: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर युवा पर्यावरण प्रहरी अजीत ने अपने साथियों के साथ मिलकर जनपद के विभिन्न विद्यालयों तथा सार्वजनिक स्थानों पर पौध रोपण किया तथा लोगो में निःशुल्क पौध का वितरण किया गया। साथ ही रोपे गये पौधो के संरक्षण का सकल्प लिया।

रविवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण प्रहरी अजीत तथा उनके साथियों द्वारा वृहद पौध रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके क्रम में प्राथमिक विद्यालय डारीडीहा, अस्पताल चौराह एवं परिसर के अलावा शहर के करीब दर्जन भर सार्वजनिक स्थलो तथा सड़को के किनारे पौध रोपण का कार्य किया गया। इस दौरान उन्होंने राहगीरो में निःशुल्क पौध का वितरण कर उन्हे अपने घर आंगन तथा आस पास के खाली जमीनें में पौध रोपण किये जाने की अपील किया। अजीत ने कहा कि धरती पर आक्सीजन की प्रचुर मात्रा बनाये रखने के लिये पौध रोपण किया जाना अति आवश्यक है। उनका प्रयास रहेगा कि हर घर से हर परिवार एक-एक पौध का रोपण जरुर करें। इस दौरान उन्होंने लोगो को पौध रोपण के साथ ही संरक्षण का संकल्प दिलाया। पौध रोपण एवं वितरण कार्यक्रम में पर्यावरण प्रेमी सूर्या प्रकाश, सत्यदेव, पवन सहित तमाम लोगो ने सहभागिता की।

पर्यावरण को स्वच्छ व शुद्ध रखने के लिए प्रतिज्ञा जरूरी : जब तक हर नरनारी पर्यावरण को स्वच्छ एवं शुद्ध रखने के बारे में पूरे मनोयोग से प्रतिज्ञा नहीं लेंगे तब तक इसे रोका नहीं जा सकता है उक्त विचार दीदी चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मुंडेरवा में विश्व पर्यावरण दिवस पर आयो एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में छात्र संघ के दीदी

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

पौधरोपण व संरक्षण का लिया संकल्प

स्वतंत्र भारत संवाददाता

बस्ती। 49वें विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर युवा पर्यावरण प्रहरी अजीत ने अपने साथियों के साथ मिलकर जनपद के विभिन्न विद्यालयों तथा सार्वजनिक स्थानों पर पौधरोपण किया तथा लोगों में निःशुल्क पौध का वितरण किया गया। साथ ही रोपे गये पौधो के संरक्षण का संकल्प लिया। रविवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण प्रहरी अजीत तथा उनके साथियों द्वारा वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन कर प्राथमिक विद्यालय डारीडीहा, अस्पताल चौराहा एवं परिसर के अलावा शहर के करीब दर्जन भर सार्वजनिक स्थल तथा सड़कों के किनारे पौधरोपण का कार्य किया गया। इस दौरान उन्होंने राजगीरो में निःशुल्क पौध का वितरण कर उन्हें अपने घर आंगन तथा आस पास के खाली जमीनों में रोपण किये जाने की अपील किया। अजीत ने कहा कि धरती पर ऑक्सीजन की प्रचुर मात्रा बनाये रखने के लिये पौध रोपण किया जाना अति आवश्यक है। उनका प्रयास रहेगा कि हर घर से हर परिवार एक एक पौध का रोपण जरूर करें। इस दौरान उन्होंने लोगों से पौधरोपण के साथ ही संरक्षण का संकल्प दिलाया। पौधरोपण एवं वितरण कार्यक्रम में पर्यावरण प्रेमी सूर्य प्रकाश, सत्यदेव, पवन सहित तमाम लोगों ने सहभागिता की।

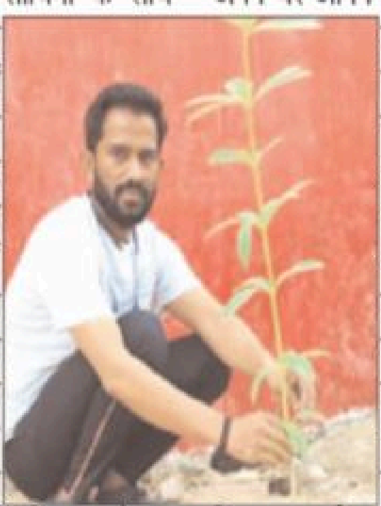

जल के बिना जीवन की परिकल्पना असम्भव

बस्ती (एसएनबी)। विश्व जिल दिवस के अवसर पर अजीत यादव ने अपने सहयोगियों के साथ शहर स्थित कई मुहल्लो में डोर-टू-डोर घूमकर लोगो से जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने जल को जीवन से परिकल्पना करते हुए जल के महत्व को बताया और बिना वजह जल को बर्बाद न करने की लोगो से अपील किया। उन्होंने जल है तो कल है विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जल-संकट का समाधान जल के संरक्षण से ही है। जल के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती, जीवन के सभी कार्यो का निष्पादन करने के लिये जल की आवश्यकता होती है। धरती का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है, किन्तु इसमें से 97 प्रतिशत पानी खारा है जो पीने योग्य नहीं है, पीने योग्य पानी की मात्रा सिर्फ 3 प्रतिशत है। नगरीकरण और औद्योगिकीरण की तीव गति व बढ़ता प्रदूषण तथा जनसंख्या में लगातार वृद्धि के साथ प्रत्येक व्यक्ति के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है। प्रतिवर्ष यह समस्या पहले के मुकाबले और बढ़ती जाती है। लेकिन बारिश आते ही पानी की समस्या दूर हो जायेगी यह सोचकर हम सभी जल सरंक्षण के प्रति बे... ...हते हैं। इस दौरान सूर्य प्रकाश, अशोक कुम... अखिलेश कुमार सहित ...

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

महात्मा गांधी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देती प्रधानाचार्या नीलम सिंह, अजीत व स्कूल की छात्राएं।

की ताकत अ
अम्बिका सिंह
गांधी नेता औ
ज्ञानेन्द्र पाण्डे
ने कहा गांधी
कार्यक्रम मे
द्विवेदी, रामभ
सचिन शुव
श्रीवास्तव,
शुक्ल, प्रमोद
वर्मा, पंकज
मिश्रा, नवीन
चतुर्वेदी, ग्रं

आधा दर्जन स्थानों पर किया पौधरोपण

बस्ती (एसएनबी)। पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के संकल्प पर चलते हुए पर्यावरण प्रहरी अजीत के नेतृत्व में शहर के आधा दर्जन से अधिक स्थानो पर पौध रोपण का कार्य किया गया। इस दौरान वह अपने साहयोगियों सग लोगो को पर्यावरण के को बचाने के लिए जाकरूक करते हुए निःशुल्ह पौधो को दान स्वरूप भेट किया। पौधरोण के क्रम में रविवार को सिविल लाइन, अमहट घाट मुख्य मार्ग, चिकित्सालय, मालवीय मार्ग, मंदिरो के परिसर में औषधीय पेड़ नीम, तुलसी, गिलोय, पाकड,अशोक,कदम मीठी नीम पौधो को रोपित किया।

प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर समस्या

प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण को काफी तेजी से नुकसान पहुंचा रहा है। प्लास्टिक पदार्थों से उत्पन्न कचरे का निस्तारण बेहद कठिन है इसलिए यह वैश्विक चिंता का विषय बन गया है। प्लास्टिक बैग, बर्तनों और फर्नीचर के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से प्लास्टिक के कचरे में काफी वृद्धि हुई है, जिससे प्लास्टिक प्रदूषण जैसी भीषण समस्या उत्पन्न हो गई है। यह वह समय है जब हमें इस समस्या पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए, इसके समाधान के लिये प्रयास शुरू करने होंगे।

अजीत सिंह यादव, जिला अस्पताल कैंपस, बस्ती

छात्राओं ने किया पौधरोपण व वितरण

बस्ती (एसएनबी)। शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, खेल, तकनीकी आदि सभी क्षेत्रो में पुरूषो के बराबर कन्धा से कन्धा मिलाकर चलने वाली आज की महिलाएं यह साबित कर दी है कि वह किसी से भी कम नही है। जितना अधिकार पुरूष का है उतना ही अधिकार रखने की हकदार महिलाएं भी है।

उक्त बाते विश्व महिला दिवस के अवसर राजकीय पुस्तकालय परिसर में

विश्व महिला दिवस

छात्राओं द्वारा निःशुल्क पौध वितरण कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण प्रहरी अजीत ने कही। विश्व महिला दिवस के अवसर पर सोमवार को राजकीय पुस्तकाल में पर्यावरण प्रहरी अजीत के नेतृत्व में छात्राओं द्वारा निःशुल्क पौध वितरण एवं रोपण का कार्यक्रम किया गया। पुस्तकालय में स्वअध्ययन करने वाली छात्रा पूर्णिमा ने कहा कि पर्यावरण सन्तुलन दिन-व-दिन बदलता जा रहा है। अनेक प्राकृतिक आपदाएं प्रतिवर्ष भारी मात्रा में जन धन की हानि पहुंचा रही है। प्रदूषण बढ़ रहा है और पेड़ो के अन्धाधुन्ध

एक-दूसरे को पौध भेंट करती जिला पुस्तकालय की छात्राएं।

कटान के चलते शुद्ध आक्सीजन की कमी होती जा रही है। पर्यावरण की सुरक्षा किसी व्यक्ति विशेष की नही अपितु समाज के हर वर्ग के लोगो की नैतिक जिम्मेदारी है। वह चाहे महिला हो अथवा पुरूष। इसी क्रम में रागिनी, रितिका, हेमा, गीता शुभांगी आदि छात्राओं द्वारा राजकीय पुस्तकालय में अध्ययनरत सभी शिक्षार्थियों में निःशुक्ल पौधो का वितरण किया गया तथा उनसे अपील की गयी कि विश्व महिला दिवस को समर्पित अपने परिवार के हर महिलाओं से एक-एक पौधो का रोपण एवं संरक्षण की जिम्मेदारी का शपथ दिलाये। कार्यक्रम के अन्त में राजकीय कन्या इण्टर कालेज के परिसर में पौध रोपण किया गया तथा एक दूसरे को पौधा भेट कर छात्राओं ने पर्यावरण सन्तुलन के उत्थान पर ... का निभाने का संकल्प लिया ... रिया, खुशबू, अंकिता, ...

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

बस्ती : पर्यावरण मित्र अजीत सिंह यादव के नेतृत्व में जिला पुस्तकालय परिसर में पौधारोपण अभियान के तहत दो दर्जन पौधे रोपे गए। पर्यावरण संतुलन के लिए अधिक से अधिक पौधे रोपने का संदेश भी दि... तृप्ति, प्रिया, शंभू आदि म...

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

आदरणीय प्रधानाचार्या राजकीय बालिका इण्टर कालेज के सानिध्य में पौध रोपण

पर्यावरण संरक्षण से सुधरेगी सेहत

जागरण संवाददाता, बस्ती : विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर बुधवार को राजकीय कन्या इंटर कालेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं व शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण और मनुष्य के सेहत के प्रति जागरूक किया गया। लोगों को पर्यावरण के प्रति संकल्पित होने का आह्वान भी किया गया। बाद में छात्राओं को पौधा वितरित किया गया।

कन्या इंटर कालेज में पौधा वितरित करते अजीत व अन्य • जागरण

पर्यावरण मित्र अजीत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण अभियान की श्रृंखला के अंतर्गत जीजीआइसी में पौधा वितरण कार्यक्रम किया गया। पर्यावरण के प्रति अपने विचार रखे। कहा कि धरती यदि हरा-भरा रहेगा तो लोग स्वस्थ रहेंगे। इसमें पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सकारात्मक ऊर्जा के साथ दैनिक रूप से हम सभी को पर्यावरण के प्रति सचेत होना होगा। हर दिन पर्यावरण के लिए कुछ ना कुछ सकारात्मक करना चाहिए। अध्यक्षता प्रधानाचार्य नीलम सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध रखने में पौधों की महत्ता लोगों को समझना चाहिए। पेड़ को काटने के बजाए उसे संरक्षित करें। पेड़ से जो आक्सीजन निकलता है उससे जीवन चलता है। ऐसे में जीवन में हर व्यक्ति एक पौधा जरूर रोपित करे। इस दौरान पर्यावरण मित्र रागिनी, रितिका, हेमा आदि थीं।

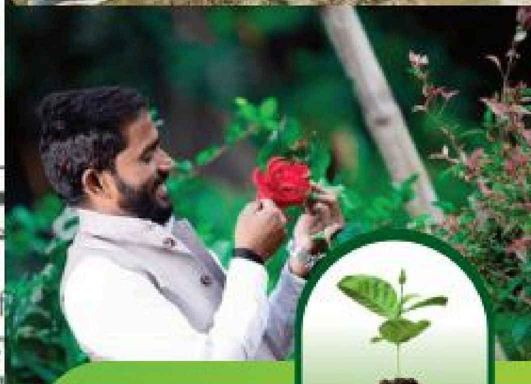

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

प्रदूषण निष्पादन की जिम्मेदारी स्वयं लें कंपनियां

र्यावरण संरक्षण के लिए सरकार लगातार अभियान चला ही है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ ार्रवाई भी हो रही है, फिर भी नियम- कानून का उल्लंघन रने वाले सचेत नहीं हो रहे हैं। ऐसे में पर्यावरण को ुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की ानी चाहिए। अजीत सिंह यादव, ...

आएंगे।

यहां हुआ पौधारोपण: प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर अजीत सिंह यादव के अगुवाई में सेंट जेम्स सीएनआइ चर्च में पौधारोपण किया गया। कहा कि बढ़ते प्रदूषण की रोकथाम को यह बेहतर विकल्प है। रेबरेंड स्टर्लिंग ने कहा कि पौधों की सुरक्षा का संकल्प दिलाया। आशुतोष, शरली, गोलू, पिं...

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

लॉकडाउन के अगले चरण की एक और तैयारी

जागरण संवाददाता, बस्ती : लॉकडाउन की अवधि बढ़ते ही घरों में कैद रहने की फिर से तैयारी शुरू हो गई है। खान-पान के सभी सामान जुटाए जाने लगे हैं। द्वितीय चरण का लॉकडाउन बिताने के लिए आवश्यक सामग्रियों की लिस्ट तैयार कर दुकानों पर पहुंचाई जा रही है।

मंगलवार को प्रधानमंत्री के तीन मई तक लॉकडाउन अवधि बढ़ाने की घोषणा करते ही एक बार फिर हलचल बढ़ गई है। दैनिक उपयोग के वस्तुओं की उपलब्धता को लेकर गृहस्थ लोग फिर चैतन्य हो गए। राशन, तेल, मसाला, साबुन, चीनी आदि की लिस्ट तैयार कर दुकानदारों को सौंपी जा रही है। मोहल्लेवार दुकानों पर आवश्यक सामग्री की डिमांड बढ़ गई है। 21 दिनों के लॉकडाउन के बाद लोग सबकुछ

दुर्गेश कुमार

अजीत सिंह यादव

फुटकर दुकानों आवश्यक सामग्रियं की आपूर्ति फिर से बढ़ानी होगी। तभं घर-घर इसकी उपलब्धता सुनिश्चिर हो सकेगी। दुकानदार राम सजीवन ने बताया कि लॉकडाउन अवधि में तमाम सामग्री की आपूर्ति न होने से उपलब्धता खत्म हो गई है। आवास विकास के दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा कि जान है तो जहान है मंत्र को हम भी मानते हैं। लेकिन घरों में खाद्य सामग्री की कमी न होने दी जाए। अभी तक 21 दिनों के लॉकडाउन की

पालीथिन पर पूर्ण प्रतिबंध जरूरी

पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार ने पालीथिन प्रतिबंधित कर दिया है। मगर कुछ लोग अभी भी पालीथिन का उपयोग कर रहे हैं। दुकानदार भी चोरी-छिपे पालीथिन का उपयोग कर रहे हैं। सरकार के साथ लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए पालीथिन पर पूर्णरूप से रोक लगाने के लिए जन सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। जब तक लोग पालीथिन का उपयोग निजी जीवन में

तब तक पालीथिन प्रतिबंधित नहीं

ध्वनि प्रदूषण को लेकर बढ़े जागरूकता

भारत में ध्वनि प्रदूषण के प्रति सदैव से उदासीनता रही है। यही कारण है कि नगरीकरण में वृद्धि के साथ-साथ वाहनों की संख्या तथा कल कारखानों से होने वाले शोर में अत्यधिक वृद्धि होती जा रही है। भारतीय मानक संस्थान ने ध्वनि प्रदूषण के कुछ मानक निर्धारित किए है । हमारे यहां ग्रामीण क्षेत्रों में शोर का स्तर 25 से 30 डेसिबल जबकि उपनगरीय क्षेत्र में 30 से 40 और नगरीय क्षेत्र में 40-50 होता है। इसके अतिरिक्त रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, ट्रैफिक मार्गों पर तथा उद्योगों के आंतरिक भागों में ध्वनि प्रदूषण न केवल कानों में बहरापन ला देता है, वरन अनेक बीमारियों का कारण भी बनता है।

अजीत सिंह यादव, बस्ती।

औषधीय पौधों का हुआ वितरण

बस्ती (एसएनबी)। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती के अवसर पर पर्यावरण मित्र अजीत के नेतृत्व में जिला राजकीय पुस्तकालय स्थित कैम्प लगाकर औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण कराया

पर्यावरण मित्रों के साथ पौध वितरण करते प्रहरी अजीत। फोटो : एसएनबी

गया। इस दौरान पर्यावरण प्रहरी अजीत ने प्राकृतिक पौधों से पर्यावरण पर होने वाले लाभप्रद प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी।

शुक्रवार को भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पअर्चन कर हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। इस अवसर पर पर्यावरण प्रहरी अजीत एवं सहयोगी पर्यावरण मित्रो द्वारा एक कार्यक्रम के माध्यम से जिला राजकीय पुस्तकालय स्थित औषधीय पौधो का निःशुल्क कैम्प लगाया गया। इस दौरान तुलसी, नीम, आंवला, ... अजवाइन, ...

गिलोय, एलोवेरा, तेजपत्ता, बेल सहित करीब

स्व. अटल बिहारी बाजपेयी की ज

350 औषधीय पौधों को लोगो में वि किया। पर्यावरण मित्र अजीत ने बता आज पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी स मानव जाति पर है। क्योंकि बढ़ती जन एवं कल कारखानों के निर्माण से जंगल होते जा रहे हैं, वायुमण्डल में आक्सीज कमी होती जा रही है। प्रकृति में धीरे बदलाव होता जा रहा है, जिसका काला नकारात्मक प्रभाव मानव जाति पर ही प अभी भी वक्त है अगर पर्यावरण संरक्ष लेकर हम नही चेते तो निश्चय की पृथ्व मानव जीवन संकट में आ जायेगा। वितरण के दौरान साथी पर्यावरण मित्र र अनन्या, खुशबू, मनीषा, पूर्णिमा, सत्यदेव, पंकज, हनुमान, मोहम्मद सहित तमाम लोगो ने बढ़चढ़ कर लिया तथा लोगों को औषधीय पौधों को ...

लगता है कि आने वाले समय में हर कोई बीमार हो जाएगा। पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए सरकारें तो प्रयास कर ही रही हैं हमें भी अपनी सहभागिता देनी होगी। हमारे घर व आसपास हरे वृक्षों को कटने से बचाने के साथ ही पौधे लगाने होंगे। प्रति वर्ष सरकार बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाती है। लेकिन पौधों को रोपने के बाद ध्यान नहीं दिया जाता। पौधे लगाए जाने के बाद उसके देखभाल की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। जितने ही ज्यादा संख्या में वृक्ष होंगे उतनी ही तेजी से पर्यावरण प्रदूषण में कमी आएगी, धरती पर हरियाली बढ़ जाएगी। प्रदूषण जनित बीमारियों में कमी आएगी।

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

पौधरोपण के लिए किया प्रेरित

हरियाली को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को जीजीआईसी की छात्राओं को पौधे दिए गए। संवाद न्यूज एजेंसी

औषधीय पौधों के रोपण से सुधरेगी धरती की सेहत

जागरण संवाददाता, बस्ती : पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर शुक्रवार को औषधीय पौधों का वितरण किया गया। पर्यावरण मित्र अजीत के नेतृत्व में राजकीय पुस्तकालय के पास औषधीय पौधों का निश्शुल्क वितरण किया गया।

पर्यावरण प्रहरी अजीत ने प्राकृतिक पौधों से पर्यावरण पर होने वाले लाभप्रद प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। तुलसी, नींबू, आंवला, सहजन, अजवाइन, गुलाब, बेल, गिलोय, एलोवेरा, तेजपत्ता और बेल सहित करीब 350 औषधीय पौधों को लोगों में वितरण किया। कहा पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी संपूर्ण मानव जाति पर है। क्योंकि बढ़ती जनसंख्या एवं कल कारखानों के निर्माण से जंगल खत्म होते जा रहे हैं, वायुमंडल में आक्सीजन की कमी होती जा रही है। प्रकृति में धीरे-धीरे बदलाव होता जा रहा है, जिसका कालांतर में नकारात्मक प्रभाव मानव जाति पर ही पड़ेगा।

हम नहीं चेते तो निश्चय की पृथ्वी पर मानव जीवन संकट में आ जाएगा। पर्यावरण मित्र रागिनी, अनन्या, खुशबू, मनीषा, पूर्णिमा, प्रिया, सत्यदेव, पंकज, हनुमान, मोहम्मद तलहा आदि मौजूद रहे।

राजकीय कन्या इंटर कालेज परिसर में शनिवार को पर्यावरण प्रहरी अजीत तथा प्रधानाचार्या नीलम सिंह के साथ ही स्कूल की बालिकाओं ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बापू की याद में कालेज परिसर में पौधरोपण किया गया। स्कूल गेट के सामने कैंप लगाकर विभिन्न प्रकार के औषधीय पौधों का निशुल्क वितरण किया गया। रागिनी,

पौधारोपण कर दिया संदेश

बस्ती : श्रीराम मंदिर शिलान्यास कार्यक्रम के अवसर पर पर्यावरण मित्र अजीत सिंह यादव ने जिला अस्पताल में छायादार पौधे रोपित किए। उन्होंने कहा कि छायादार और आक्सीजन वाले पौधे हमेशा रोपित करते रहना चाहिए,इसके लिए किसी अभियान का मुंह नही देखना चाहिए। (जासं)

अमर उजाला | बस्ती | amarujala.com

'हिंदी भाषा नहीं विचार है, देश की संस्कृति की शान है'

'हिन्दी हैं हम' अभियान को मिल रही लोगों की सराहना

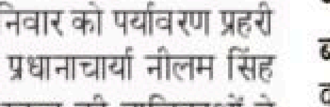

अजीत

संवाद न्यूज एजेंसी

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

जीवन में पेड़ों के महत्व को पहचानने की जरूरत है। जिस प्रकार मानव को जीवित रहने के लिए जल की आवश्यकता है उसी प्रकार हमारे पर्यावरण को जीवित रखने के लिए पेड़ पौधों की आवश्यकता है। पर्यावरण है तो जनजीवन है। पौधारोपण अभियान को प्रभावी बनाने के लिए इसमें जनसहभागिता जरूरी है।

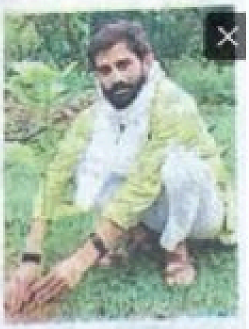

गणतंत्र दिवस पर बांटे गये निशुल्क पौधे

बस्ती (एसएनबी)। 72वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर पर्यावरण प्रहरी अजीत के नेतृत्व में ब्राम्हण महासभा स्थित पौध वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका शुभारम्भ राष्ट्रगान व ध्वजारोहण के साथ मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस दौरान आम जन सहित स्कूली बच्चो में औषधीय पौधो का वितरण कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। अजीत ने बताया कि गणतन्त्र दिवस पर हम

पौध वितरण कार्यक्रम

लोगो में वितरण किया है। उन्होने बताया कि पेड़ पौधो की कमी से प्रति में धीरे धीरे नकारात्मक बदलाव होता जा रहा है, जिसका कालान्तर में कुप्रभाव मानव जाति पर ही पड़ेगा। अगर पर्यावरण् संरक्षण को लेकर हम नही चेते तो निश्चय की पृथ्वी पर मानव जीवन संकट में आ जायेगा। इस दौरान रागिनी, सुमन प्रिया अग्रहरी ,जुनैद खान, सत्यदेव पिंटू शुक्ल, अमितशुक्ल, रोशन शुक्ल ,अजीत सिंह नवनीत ,जफर ,विक्रम, अश्वनी सहित

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

जीवन की सांसों के लिए रोपे गए बरगद के पौधे

बरगद के पौधे रोपित करने को आगे आए पर्यावरण प्रेमी, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

वटवृक्ष की पूजा कर सुहागिनों ने मांगा अखंड सौभाग्य का वरदान

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

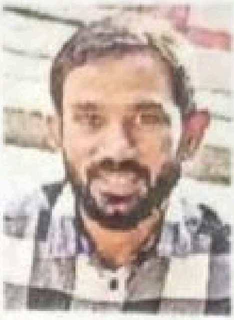

पालीथिन उपयोग के बाद उसे नालों, नालियों में फेंक दे रहे हैं। जो नालों को जाम करने में अहम भूमिका निभा रही है। पालीथिन पर प्रतिबंध लगने के नाली जान की समस्या कम होगी।

अजीत कुमार, पचपेड़िया

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

पौधारोपण कर मनाई दीवाली की खुशियां

दीपावली पर पौधारोपण करते अजीत व अन्य • सौ.स्वयं

जासं,बस्ती: दीपावली अवसर पर शिव मंदिर परिसर डारीडीहा में पौधारोपण किया गया। पर्यावरण मित्र अजीत के नेतृत्व में पांच आम के पौधे रोपित किए गए। अजीत ने कहाकि पर्यावरण शुद्ध तभी रहेगा, जब पौधे रहेंगे। दीपावली पर पटाखों के धुएं से उत्पन्न प्रदूषण को शुद्ध रखने के लिए पेड़ पौधों की बहुत आवश्यकता है। जिस तरह लोग दीपावली के उत्सव में शामिल है वैसे ही पौधारोपण कर इस पर्व को पर्यावरण से स्वयं को जोड़ना चाहिए। पुजारी पूर्णमासी, सत्यदेव, कुंजबिहारी आदि लोग

पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति दिलाई गई शपथ

जासं,बस्ती: पृथ्वी दिवस पर शनिवार को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। इस दौरान पर्यावरण पर जोर दिया गया। शहर एक मैरिज हाल में पृथ्वी दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।

पर्यावरण मित्र अजीत ने कहा कि जल, पृथ्वी, जंगल, जीव सब अस्तित्व की डोर से जुड़े हैं। अगर पर्यावरण संरक्षित नहीं रहेगा तो जीवन भी सुरक्षित नहीं रहेगा। कहा कि अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। राकेश, कमलेश, रामकृष्ण, पीयूष, सूरज, शिवदास सहित अ

दुबौलिया प्रतिनिधि के अनुसार क्षेत्र के चार सरोवरों पर बीडीओ सुरेंद्र प्रताप सिंह के देखरेख में सेल्फी विद अमृत सरोवर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां रानीपुर लाद में खंड शिक्षा अधिकारी अशोक, छपिया मलिक में पशु चिकित्सा अधिकारी डा. अजय, भरूकहवा में उप दुग्ध विकास अधिकारी कन्हैया यादव, लारा ग्राम पंचायत के रैयल में जिला समाज कल्या[...] अधिकारी लालजी नोडल अ[...]ए थे। रैयल में जिल[...] अधिकारी लालज[...]

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

इन्हें है धरती को प्रदूषण मुक्त करने का जुनून

अमर वर्मा • बस्ती

पेड़ों की अंधाधुंध कटान से खतरे में पड़े पर्यावरण के संरक्षण का बीड़ा एक युवा ने उठाया है। पेड़ पौधों से प्रेम के चलते इन्होंने पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त करने की ठान ली है। पर्यावरण के प्रति प्रेम अब जुनून की हद तक पहुंच चुका है। बस्ती ही नही आसपास के जिलों में भी अब यह पर्यावरण संरक्षण की अलख जगा रहे हैं। पौधे लगाना, पानी देना और उनके संरक्षण ने उन्हें पर्यावरण मित्र बना दिया है। हम बात कर रहे हैं अजीत सिंह यादव की। जिला अस्पताल के निकट मोहल्ले में रहते हैं। पोस्ट ग्रेजुएट तक की पढ़ाई के बाद अचानक उनका प्रेम पौधों के संरक्षण की ओर बढ़ा तो फिर पीछे मुड़ कर नही देखे। बीड़ा उठाया धरती को हरा-भरा बनाने का, तो अन्य का सहयोग भी मिलने लगा। खुद के पैसे से पौधे खरीद कर लाना

आप भी जुड़ें

अपने आस-पास के ऐसे ही किसी अभिनव, प्रेरक व सार्थक प्रयास की जानकारी आप भी हमें दे सकते हैं, जो व्यक्ति, देश व समाज को नवप्रेरणा से भर सकती हो। संक्षिप्त विवरण **response.story@jagran.com** पर भेजें।

उसकी देखरेख करना इनकी दिनचर्या में शामिल है। वर्ष 2013 में पर्यावरण संरक्षण की दुनिया में प्रवेश करने वाले अजीत आज बस्ती से लगायत कई जिलों में पौधे रोपकर पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं। उनका कहना है कि वह जीवन में अधिक से अधिक पौधे रोपकर इतिहास के पन्नों में नाम दर्ज कराना चाहते हैं। अजीत बताते हैं कि हर दिन 5 पौधे रोपते हैं। 5 साल से वह इस कार्य को कर रहे हैं। अब तक 5 हजार 775 पौधे रोप चुके हैं। वह अपने पौधों की निगरानी करना नही भूलते हैं। यदि कोई व्यक्ति पौधा लगाकर भूल गया, और पौधा सूख गया है तो अजीत

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

इन्हें धरती को हरा भरा बनाने का जुनून

पर्यावरण के प्रहरी

मांगलिक कार्यक्रमों में पौधे भेंट करने का शौक

भद्रेश्वरनाथ धाम के पास पौधरोपण करते पर्यावरण मित्र अजीत सिंह यादव

लिया। पर्यावरण मित्र अजीत सिंह याद[व] ने कहा कि मकसद है कि अंधाधुंध का[टे] जा रहे पेड़ को बचाया जाए। लोगों को यह बताया जा रहा कि वृक्ष ही आक्सीजन की जननी हैं। बिना इनके जीवन जीना कठिन है। इस दौरान पिंटू शुक्ल, राणा महेंद्र प्रताप, अजीत सिंह, सिद्धांत द्विवेदी शुक्ल, रितेश चौधरी, सत्यदेव, अमित शुक्ल मौजूद रहे।

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

आदरणीय प्रधानाचार्य राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय अम्बेडकर नगर से शिष्टाचार भेंट एवं पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

जनसंख्या नियंत्रण पर बहस की जरूरत

भारत की बढ़ती जनसंख्या को कैसे नियंत्रित किया जाए इसे कभी मुद्दा नहीं बनाया जाता है, और ना ही कभी इस पर राजनीतिक चर्चा होती है। जबकि देखा जाए तो ढेरों समस्याओं का निस्तारण जनसंख्या नियंत्रण पर पहल करने से हो सकता है। शिक्षा, बेरोजगारी, यात्री परिवहन, आवास, पेयजल, सड़क जैसी अनेक समस्याओं के मूल में यह विराजमान है। बढ़ती आबादी के कारण खेती योग्य भूमि के साथ ही जंगल, पहाड़ दिन प्रतिदिन कम होते जा रहे हैं। नदी, नाला, झील, तालाब, पोखरा आबादी के कारण ही पट कर समाप्त हो रहे हैं। आवश्यकता इस बात की है कि इस समस्या पर स्वस्थ चर्चा कर बिना किसी भेदभाव के स्पष्ट नीति बनाकर अमल में लाया जाए। शिक्षित समाज होने पर आज नहीं तो कल यह मुद्दा अवश्य बनेगा ही।

अजीत, पचपेड़िया, बस्ती

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

मृदा सुपोषण करने के लिए प्राकृतिक खेती और जैविक खेती को अपनाया जाना चाहिए। इस अवसर पर रसोइया उर्मिला, कौशिल्या सहित तमाम अभिभावक और बच्चे मौजूद रहे।

सुन्दर और स्वस्थ्य भविष्य के लिए पौधरोपण जरूरी : अजीत

बस्ती। पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण प्रहरी अजीत ने राजकीय कन्या इण्टर कालेज के परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत साथियों के साथ पौधरोपण किया तथा महिलाओं को निःशुल्क पौध वितरण कर अपने घर आंगन तथा आस पास के जगहो पर पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया। अजीत ने बताया कि मानव द्वारा पर्यावरण के साथ किये जा रहे खिलवाड़ से आने वाली पीढ़ी का जीवन संकटो से घिर रहा है। इससे उबरने के लिए हमें अधिक से अधिक पौध रोपित करना होगा। विश्व पर्यावरण दिवस पर उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के मुहिम की शुरूआत की है। जिसका उद्देश्य केवल पौध लगाना ही नही बल्कि हमें पर्यावरण एवं अपनी अरण्य संस्ति के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण उनके जीवन के मूल्यों का केंद्र रहा है। जिसे आत्मसात कर हम आने वाली पीढ़ी को बेहतर, सुंदर और स्वस्थ भविष्य देने के लिए पौध रोपण के प्रति लोगो को जागरूक करते रहेगे। इसी क्रम में राजकीय कन्या इण्टर कालेज के परिसर में पर्यावरण प्रहरी अजीत ने तमाम महिलाओं तथा अपने सहयोगियों के साथ पौध रोपण किया। उन्होंने तमाम महिलाओं में पौधो का निःशुक्ल वितरण करते हुए उन्हें अपने घर, आंगन तथा आस पास के खाली जगहो पर पौध रोपण करने

शमी का पौधा वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

बस्ती (एसएनबी)। शनिवार को कम्पनीबाग स्थित शिव मन्दिर पर पर्यावरण प्रहरी अजीत के नेतृत्व में मन्दिर में पूजा दर्शन करने आयी महिलाओं को निःशुल्क दर्जनों शमी के पौधे का वितरण किया गया। उनसे अपील की गयी कि वह अपने घर आंगन में शमी का पौधा जरूर लगाये, क्योंकि इसमें पर्यावरण की समानता को बनाये रखने की क्षमता के साथ ही औषधीय गुण पाये जाते है। जो मनुष्य को तमाम प्रकार की गम्भीर बीमारियों से बचाते है।

अजीत ने शिव मन्दिर पर एकत्रित महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए पर्यावरण के साथ खिलवाड़ कर रहा है। जंगलो को काटकर कल कारखानों की स्थापना की जा रही है। कारखानों से निकलने वाला गन्दा वायु व धुवा पर्यावरण को प्रदूषित कर रहा है। ऐसे में पर्यावरण का संतुलन बनाये रखने में पेड़ पौधो का विशेष महत्व है। महिलाओं में शमी का पौधा वितरण करते हुए कहा कि यह एक औषधीय पौधा है जिसका उपयोग कई तरह की बीमारियों के इलाज में किया जा सकता है। इसके अलावा, यह शनि के

महिलाओं में शमी का पौधा वितरित करते अजीत

नकारात्मक प्रभावों को कम करने में भी मदद करता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा लाता है। शमी के पौधे में औषधीय गुण छिपा रहता है। जो मुख्य रूप से कोलेस्ट्राल को नियंत्रित करता है। शमी के पत्तों में एंटीहाइपरलिपिडेमिक होता है जो खून में लिपिड लेवल को नियंत्रित करता है और बैड कोलेस्ट्रल को कम करता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है। इसके अलावा दस्त और पेचिस में फायदेमंद होता है। शरीर की गर्मी कम करता है, त्वचा संबंधित समस्याओं, खराश, मुंह के छाले, दांत दर्द, डायबिटीज, मूत्र और जननांग संबंधी समस्याओं के इलाज में भी इसका प्रयोग किया जाता है। इस दौरान रेखा ... सन्ध्या दीक्षित, विन्दू निगम, सविता, ... सत्यदेव, पवन, अवधेश, अ... वनीत सहित तमाम लोग शा...

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

पौधारोपण के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे अजीत

संजय विश्वकर्मा •जागरण

बस्ती: अजीत को पौध लगाने के साथ ही उन्हें बचाने का भी जुनून है।अब तक वह 7600 पौधे लगा चुके हैं, इनमें से 3200 जीवित हैं। इतना ही नहीं वह लोगों
को पौधारोपण के लिए प्रेरित करते हैं,उन्हें पौधे भी उपलब्ध कराते हैं। अब तक वह 22,000 पौधे लोगों को वितरित कर चुके हैं। पौधारोपण को उन्होंने अपनी दिनचर्या में शामिल किया है। उन्होंने अपने जीवनकाल में 10 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। कोतवाली क्षेत्र के पचपेड़िया निवासी अजीत पर्यावरण के प्रति इस कदर समर्पित हैं कि उनकी पहचान पर्यावरण मित्र के रूप में बन चुकी है। बताया कि वर्ष 2009 में वह अपने मित्र के साथ बाइक से जा रहे थे। जून का महीना था, धूप काफी चटक थी। गर्मी से व्याकुल होकर वह सड़क किनारे एक पेड़ के नीचे पहुंचे तो उन्हें सुकून मिला। उसी दिन से उनके मन में पौधारोपण का भाव आया और उस पर उन्होंने अमल करना शुरू कर दिया। हालांकि शुरुआत में वह अकेले पौधे लगाते थे, मगर 2011 में उन्होंने पौधारोपण के लिए मुहिम शुरू कर दी। उन्होंने अपनी एक टीम बनाई और टीम के सदस्यों संग पौधे लगाना शुरू कर दिया। डीएम कार्यालय,बस्ती जिला अस्पताल परिसर में,राजकीय कन्या इंटर कालेज के सामने, कुआनो नदी के देवरांव घाट के पास अन्त्येष्टि स्थल आदि में पौधे लगाए हैं।

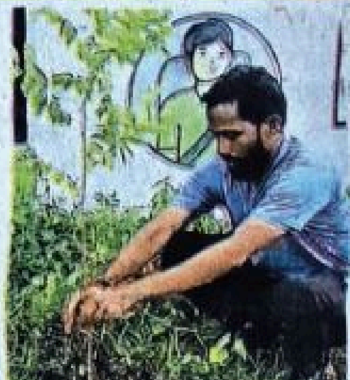

राजकीय इंटर कालेज ... लगाते अजीत •सौ...

अमेरिकन रेड परमर टामी एंड किंग, नूरजहां, हिमसागर भी इनके बाग की ... बादाम, चीकू, सेव, अनार आदि के पौधे भी लगा... प्रजाति के आम भी लगाए गए हैं ...

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

पर्यावरण संरक्षण सर्वाधिक जरूरी

प्रकृति के संरक्षण के लिए पेड़-पौधों के साथ जल की शुद्धता बनाए रखने पर ध्यान देने की जरूरत है। कई नदियों का पानी मवेशियों के पीने लायक नहीं बचा है। औद्योगिक अपशिष्ट, कूड़ा-कचरा सीधे नदियों में गिराया जा रहा है। सरकार की सख्ती के बावजूद कोई न कोई नाला नदी से मिलकर जल को प्रदूषित कर रहा है। नदी तट पर लगने वाले वृक्ष भी इस गंदे पानी की चपेट में आ रहे हैं, जिससे इनकी संख्या भी कम होती जा रही है।

सविता, नानकनगर, बस्ती

पालीथिन स्वास्थ्य के लिए खतरा

पर्यावरण और मानव जीवन के लिए पालीथिन सबसे बड़ा खतरा है। यह जानते हुए भी कि पालीथिन हमारे लिए नुकसानदायक है फिर भी हम इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। हम जिस धरती पर जीवन यापन कर रहे हैं, उसी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। पालीथिन पर प्रतिबंध लगाने की बात सिर्फ चर्चा में शामिल होकर रह गई है। पालीथिन का प्रयोग करने वालों पर यदि सख्ती होती तो बाजार में इसकी बिक्री कब की बंद हो गई होती। भारत में पालीथिन के प्रयोग की स्थिति यह है कि स्वास्थ्य को खतरा उत्पन्न हो गया है। शो हो चुका है कि पालीथिन अनेक बीमारि

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

बंद हो प्लास्टिक पन्नियों का उत्पादन : अजीत

बस्ती। अजीब विडंबना है कि प्लास्टिक पन्नियां बनाने वाली कम्पनियां चल रही हैं और उसके बेचने, उपयोग पर देश में प्रतिबंध लगा हुआ है, पर्यावरण प्रेमी अजीत प्रताप सिंह ने कहा कि यदि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्लास्टिक पन्नियों का प्रयोग रोकना है तो सबसे पहले कारखाने बंद होने चाहिये। यह जानते हुए कि पॉलीथिन पर्यावरण के लिए बेहद नुकसानदायक है, हम उसका इस्तेमाल कर रहे हैं। हम जिस धरती पर जीवन यापन कर रहे हैं, उसी का सर्वनाश करने पर तुले हुए हैं। पॉलीथिन पर प्रतिबंध लगाने की बात हवा हवाई है तो नियमों के साथ खिलवाड़ करने वालों पर भी कार्रवाई नहीं होती।

पौध रोपण कर लिया संरक्षण का संकल्प

...ई पौधरोपण ...म आयोजित

: विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर युवा पर्यावरण प्रहरी अजीत ने अपने साथियों के साथ मिलकर जनपद के विभिन्न विद्यालयों तथा सार्वजनिक स्थनों पर पौध रोपण किया तथा लोगो में निःशुल्क पौध का वितरण किया गया। साथ ही रोपे गये पौधो के संरक्षण का सकल्प लिया।

रविवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण प्रहरी अजीत तथा उनके साथियों द्वारा वृहद पौध रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके क्रम में प्राथमिक विद्यालय डारीडीहा, अस्पताल चौराह एवं परिसर के अलावा शहर के करीब दर्जन भर सार्वजनिक स्थलो तथा सड़को के किनारे पौध रोपण का कार्य किया गया। इस दौरान उन्होंने राहगीरो में निःशुल्क पौध का वितरण कर उन्हे अपने घर आंगन तथा आस पास के खाली जमीनों में पौध रोपण किये जाने की अपील किया। अजीत ने कहा कि धरती पर आक्सीजन की प्रचुर मात्रा बनाये रखने के लिये पौध रोपण किया जाना अति आवश्यक है। उनका प्रयास रहेगा कि हर घर से हर परिवार एक-एक पौध का रोपण जरूर करें। इस दौरान उन्होंने लोगो को पौध रोपण के साथ ही संरक्षण का संकल्प दिला[illegible] वितरण कार्यक्रम में पर्यावरण प्रेमी[illegible] वन

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

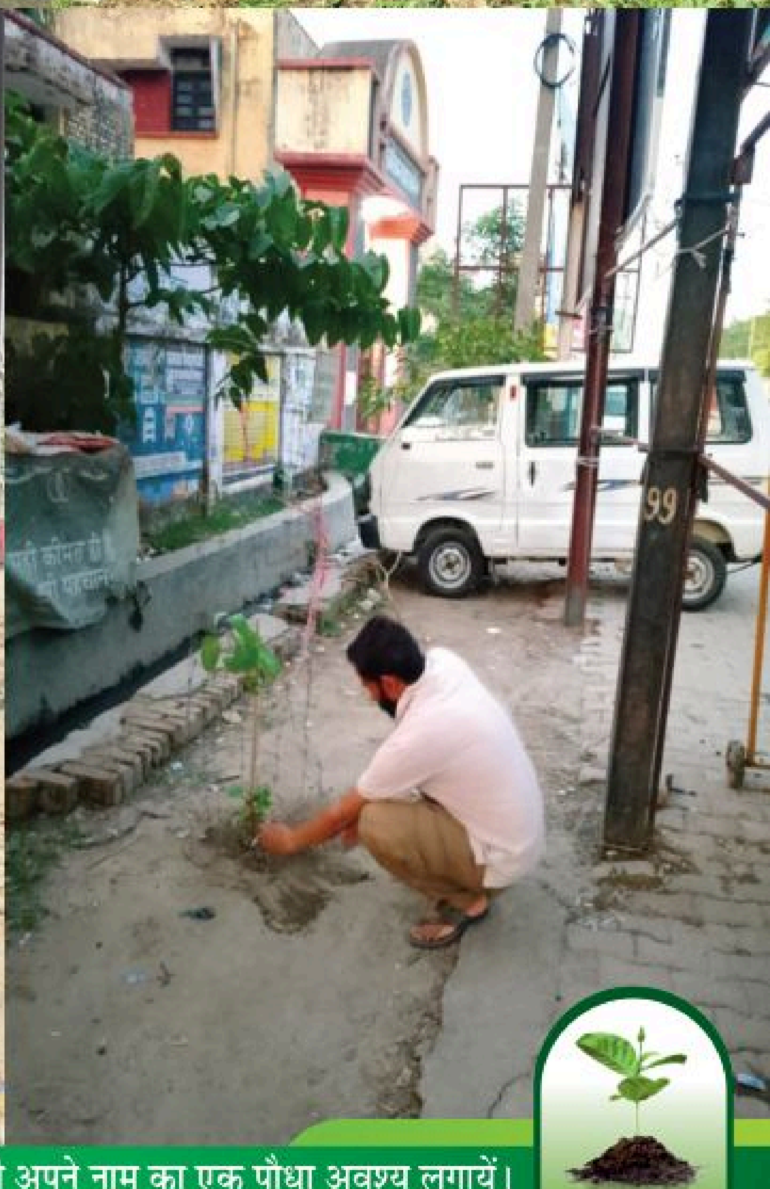

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

आंक्सीजन की समस्या से प्राय: व्यक्ति को तमाम बीमारियों से जूझना पड़ता है। इसका एक मात्र स्थायी उपाय पौधरोपण है।

पौधा लगाने व देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। अजीत

पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति दिलाई गई शपथ

जासं,बस्ती: पृथ्वी दिवस पर शनिवार को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। इस दौरान पर्यावरण पर जोर दिया गया। शहर एक मैरिज हाल में पृथ्वी दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।

पर्यावरण मित्र अजीत ने कहा कि जल, पृथ्वी, जंगल, जीव सब अस्तित्व की डोर से जुड़े हैं। अगर पर्यावरण संरक्षित नहीं रहेगा तो जीवन भी सुरक्षित नहीं रहेगा। कहा कि अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। राकेश, कमलेश, रामकृष्ण, पीयूष, सूरज, शिवदास सहित अन्य मौजूद रहे। रुधौली प्रतिनिधि के

दुबौलिया प्रतिनिधि के अनुसार क्षेत्र के चार सरोवरों पर बीडीओ सुरेंद्र प्रताप सिंह के देखरेख में सेल्फी विद अमृत सरोवर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां रानीपुर लाद में खंड शिक्षा अधिकारी अशोक, छपिया मलिक में पशु चिकित्सा अधिकारी डा. अजय, भरूकहवा में उप दुग्ध विकास अधिकारी कन्हैया यादव, लारा ग्राम पंचायत के रैयल में जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी नोडल अधिकारी बनाए गए थे। रैयल में जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव की जगह सचिव विनय सिंह ने सेल्फी विद अमृत सरोवर का बैनर लगाकर

पालीथिन स्वास्थ्य के लिए खतरा

पर्यावरण और मानव जीवन के लिए पालीथिन सबसे बड़ा खतरा है। यह जानते हुए भी कि पालीथिन हमारे लिए नुकसानदायक है फिर भी हम इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। हम जिस धरती पर जीवन यापन कर रहे हैं, उसी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। पालीथिन पर प्रतिबंध लगाने की बात सिर्फ चर्चा में शामिल होकर रह गई है। पालीथिन का प्रयोग करने वालों पर यदि सख्ती होती तो बाजार में इसकी बिक्री कब की बंद हो गई होती। भारत में पालीथिन के प्रयोग की स्थिति यह है कि इससे सभी के स्वास्थ्य को खतरा उत्पन्न हो गया है। शोध से यह साबित हो चुका है कि पालीथिन अनेक बीमारियों का वाहक है।

पानी की बर्बादी रोकने की जरूरत

जल ही जीवन है यह सभी जानते हैं, बावजूद इसके पानी बर्बाद करते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जलसंकट का समाधान जल संरक्षण से ही होगा। पानी के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती है। यह पृथ्वी पर उपलब्ध बहुमूल्य संसाधन और जीवन का आधार है। धरती का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा है, लेकिन 97 प्रतिशत पानी पीने योग्य नहीं है। पीने योग्य पानी की मात्रा सिर्फ तीन प्रतिशत है। उसमें से भी दो प्रतिशत ग्लेशियर एवं बर्फ के रूप में है। सही मायने में मात्र एक प्रतिशत पानी ही पीने योग्य है, ऐसे में जल संरक्षण के प्रति सभी को गंभीर होना होगा।

अजीत कुमार, पचपेड़िया रोड, बस्ती

आयुक्त कार्यालय परिसर में पौधरोपण करते कमिश्नर अखिलेश सिंह। • हिन्दुस्तान

कमिश्नर और डीएम ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बस्ती, निज संवाददाता। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयुक्त परिसर में मंडलायुक्त अखिलेश सिंह ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम पर बरगद, पाकड़, आम, पीपल एवं अन्य औषधीय एवं छायादार पौधे रोपित किए।

अपर आयुक्त न्यायिक सुरेन्द्र प्रसाद यादव, अपर आयुक्त प्रशासन मनोज कुमार तिवारी, संयुक्त विकास आयुक्त बलराम कुमार ने भी पौधरोपण किया। मंडलायुक्त ने निर्देश दिया कि रोपित पौधों की देखभाल सुनिश्चित की जाए और नियमित रूप से उनकी निगरानी की जाए। आयुक्त ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखना वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। वृक्ष न केवल हमें शुद्ध वायु और छाया प्रदान करते हैं, बल्कि जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने, वर्षा को आकर्षित करने, जैव विविधता को संरक्षित करने और प्राकृतिक आपदाओं को रोकने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डीएम रवीश गुप्ता ने दुबौलिया ब्लॉक के खुशहालगंज पंचायत भवन परिसर में पौधे रोपित किए। जलकल में जेई अर्चना कुमारी ने पौधरोपण किया। वहीं अमहट के सरदार पटेल पार्क में डीएम, सीआरओ, एडीएम, जिलाध्यक्ष भाजपा विवेकानंद ने पौधे रोपित किए। ईओ अंगद गुप्ता, केएनए, अश्वनी श्रीवास्तव, शुभम यादव, अजय तिवारी आदि मौजूद रहे। वहीं जीजीआईसी पर पर्यावरणमित्र अजीत की अगुवाई में पौधे लगाए गए। सविता श्रीवास्तव, बिंद्र, संध्या दीक्षित, ... सत्यदेव, रमेश ... सविता द्विवेदी ...

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

र्यावरण पर प्रशासन का ध्यान है न ही जिले के निवासियों को। कुछ गिने-चुने लोग पर्यावरण की लड़ाई लड़ते-लड़ते आधी उम्र बिता चुके हैं। र्यावरण के लिए जनपद में प्रतिवर्ष लगभग 35 लाख पौधे लगाए जाते हैं। देखरेख और सुरक्षा के अभाव में इन पौधों की संख्या सैकड़ों में सिमट कर रह जाती है। पर्यावरण असंतुलन की वजह से दिनोंदिन तपन बढ़ती जा रही है। इस तपन का सीधा असर इंसान और जानवरों पर भी पड़ रहा है। इंसान ठंडी हवा के लिए रोजाना नए-नए जतन कर रहा है। वह कूलर में चार से पांच बाल्टी पानी डाल रहा है लेकिन पौधों को पानी डालने की बात पर भागते नजर आ रहा है। 'हिन्दुस्तान' से बातचीत में पर्यावरण प्रेमियों ने समस्याएं साझा करते हुए समाधान की अपेक्षा की।

पर्यावरण प्रेमियों ने 'हिन्दुस्तान' से बातचीत में अपनी समस्याएं रखीं और उनके समाधान के लिए सुझाव भी दिए।

सरकार पौधे लगवाए तो ट्री-गार्ड भी उपलब्ध कराए

पर्यावरण प्रहरी

प [illegible]

प्रस्तुति- सुनील जायसवाल

हमारी भी सुनें

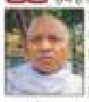
पर्यावरण स्वच्छ है तो हम हैं। जिले की आबादी लगभग 30 लाख के आसपास है। प्रत्येक परिवार से अगर एक ही पौधे प्रतिवर्ष लगाया जाए तो यह आंकड़ा लाखों के पार जा सकता है। गौहर अली

जिले में हरे पेड़ बिना रोकटोक के काटे जा रहे हैं। इस अवैध कटान के लिए लकड़ी व्यापारी, पुलिस व वन विभाग की मिलीभगत कुछ रुपये की लालच में पेड़ों को कटवा रहे हैं। आशीष सिंह

आक्सीजन की समस्या से प्रायः व्यक्ति को तमाम बीमारियों से जूझना पड़ता है। इसका एक मात्र स्थायी उपाय पौधरोपण है। पौधा लगाने व देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। अजीत

पेड़ों के अवैध कटान पर जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाते हैं। पेड़ों की कटान से जीव-जन्तु की सेहत पर बुरा असर पड़ता है। विनोद सिंह

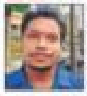
सरकार की तरफ से पौधरोपण के लिए वन विभाग को लक्ष्य दिए जाते हैं। इस लक्ष्य में युवाओं को भी शामिल किया जाए। जिले में लाखों युवा पौधरोपण में रुचि रखते हैं। शरद पाण्डेय

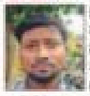
कई बार लक्ष्य के सापेक्ष मिले पौधे सूख जाते हैं। इसका समाधान यह है कि जो लोग पर्यावरण संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं, उन्हें पौधे उपलब्ध कराया जाना चाहिए। अखिलेश राज

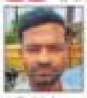
अनेक स्वयंसेवी संस्थाएं भी पौधरोपण करती हैं, लेकिन पौधरोपण के बाद ज्यादातर लोग पौधों को भूल जाते हैं। उचित देखभाल नहीं होने के कारण पौधे सूख जाते हैं। राकेश यादव

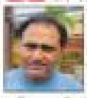
पौधरोपण हम सबकी जिम्मेदारी है। हम सबको अधिक से अधिक पौधरोपण करना चाहिए जिससे पर्यावरण स्वच्छ बना रहे। तभी हम सभी लोगों का जीवन स्वस्थ होगा। धर्मेन्द्र

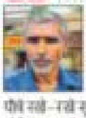
अधिकारी पौधे लगाने का लक्ष्य भी आसानी से प्रधानों को पौधे बांटकर पूरा कर लेते हैं, लेकिन लापरवाही के चलते अधिकांश पौधे रखे-रखे सूख जाते हैं। कौशिकन पाण्डेय

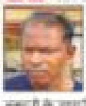
शहरों में प्रतिष्ठानों के सामने पौधे लगाने की बात पर दुकानदार झगड़ने लगते हैं। इस पर शहरी क्षेत्र में एक अभियान चलाकर प्रत्येक दुकानों के सामने पौधे लगाने की व्यवस्था की जाए। मुकेश

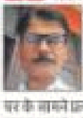
27 वर्षों से पर्यावरण को लेकर लड़ाई लड़ रहा हूं। पर्यावरण बेहतर रखने के लिए पौधे लगा रहे हैं। सभी लोगों से अपील है कि हर घर के सामने प्रत्येक वर्ष एक पौधे जरूर लगाएं। पं. सुनील भट्ट

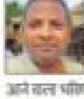
मानव जीवन में पेड़ों का बहुत महत्व है। पेड़ हैं तो हम भी सुरक्षित हैं। इसलिए सभी को पौधरोपण करना चाहिए। जिससे हमारा आने वाला भविष्य भी गुजर सके। कुलदीप जायसवाल

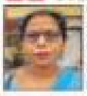
शहर के बाईपास-हाईवे किनारे मार्ग का निर्माण हुआ है। इसके निर्माण के लिए सैकड़ों पेड़ काटे गए हैं। इन पेड़ों के काटने के बजाय दूसरे स्थान पर ट्रांसप्लांट किया जाना चाहिए था। रेखा विश्वकर्मा

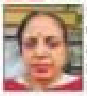
पौधरोपण के लिए सरकार पानी की तरह रुपये बहाती है। पौधरोपण के साथ ट्री-गार्ड भी लगाया जाना चाहिए जिससे पौधों को छुट्टा जानवरों से बचाया जा सके। संध्या दीक्षित

पर्यावरण संरक्षण से हमारी सेहत और जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है। स्वच्छ पर्यावरण में रहने से बीमारियों का खतरा भी कम होता है। रागिनी

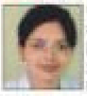
प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण पर्यावरण संरक्षण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे हम अपने संसाधनों का स्थायी उपयोग कर सकते हैं। बिंदु

शिकायतें और सुझाव

शिकायतें

1. जिले में 30 लाख से अधिक पौधरोपण कराया जाता है। पौधरोपण के बाद जिम्मेदार इस पर ध्यान नहीं देते हैं।
2. शहरी क्षेत्र में बीबीए द्वारा सड़क व डायवर्सन निर्माण के दौरान नालियों में ग्रीन पट्टिका दिया गया है लेकिन वास्तव में ग्रीन पट्टिका गायब रहता है।
3. शहरी क्षेत्र में दुकानदार अपने दुकान के सामने पौधे नहीं लगाने देते हैं।
4. पौधरोपण के लिए युवाओं को मौका नहीं दिया जाता है।
5. पौधरोपण के साथ ट्री-गार्ड नहीं लगाया जाता है।

सुझाव

1. जिले में 30 लाख से अधिक पौधरोपण कराया जाता है। पौधरोपण के बाद जिम्मेदारों को इसके संरक्षण पर ध्यान देना चाहिए।
2. शहरी क्षेत्र में बीबीए की ओर से डायवर्सन निर्माण के दौरान नालियों में ग्रीन पट्टिका बनाया जाता है। पौधरोपण के लिए इसका पालन कराना चाहिए।
3. शहरी क्षेत्र में दुकानदारों को दुकान के सामने अनिवार्य रूप से पौधे लगाने को कहा जाना चाहिए।
4. पौधरोपण के लिए युवाओं को मौका दिया जाए।
5. पौधरोपण के साथ ट्री-गार्ड लगाया जाए, जिससे पेड़ों की सुरक्षा बढ़ सके।

पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए सरकार की ओर से अभियान चलाकर प्रतिवर्ष 35 से 40 लाख पौधे लगाए जाते हैं। सरकार द्वारा हरे पेड़ काटने पर रोक लगाया गया है, जो भी हरे पेड़ों को बिना अनुमति के काटते हैं, उनके ऊपर कानूनी कार्रवाई की जाती है। सभी नागरिकों से अनुरोध है कि पर्यावरण को बचाने के लिए खूब पौधरोपण करें, जिससे पर्यावरण संतुलन को बचाया जा सके।
अजय प्रताप सिंह, क्षेत्रीय वनाधिकारी

खूब हो रही पेड़ों की कटाई नहीं की जा रही है कार्रवाई

बस्ती। जिले में हरे पेड़ों की कटाई बढ़ रही है। [illegible]

युवाओं को मिले पौधे लगाने का मौका

राहुल कुमार, कुलदीप जायसवाल, [illegible]

एक नजर

सरकारी भवन के पास पौधों की टहनियों को ठीक करते पर्यावरण प्रेमी।

पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए पौधरोपण के बाद पानी देते पर्यावरण प्रहरी।

झाड़ियों से घिरे पौधों को बचाने के लिए कटाई-छंटाई करते पर्यावरण प्रहरी।

मेडिकल कॉलेज परिसर की जर्जर सड़क होगी दुरुस्त, भेजा प्रस्ताव

हि असर

बस्ती, निज संवाददाता। [illegible]

[illegible]

गौरतलब

पौधरोपण के बाद देखरेख करना भूल जाते हैं जिम्मेदार

बस्ती। प्रदेश सरकार द्वारा जनपद में पौधे लगाने के लिए [illegible]

पर्यावरण संरक्षण के दिशा में युवा भी आगे आ रहे हैं। [illegible]

शुद्ध ऑक्सीजन चाहिए तो पेड़ लगाना होगा

[illegible]

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

बरगद रोपें, मिलेगी छांव व आक्सीजन

जनपद में बरगद के पौधे रोपित करने की तरफ आकर्षित हो रहे पर्यावरण प्रेमी

वट से बांधें सांसों की डोर

बरगद का पौधा रोपित करते अजीत • फोटो स्रोत: स्वयं

जागरण संवाददाता, बस्ती : जनपद में बरगद यानी (वट वृक्ष) के पौधे लगाने की ओर अब पर्यावरण प्रेमी रुचि ले रहे हैं। कोरोना संक्रमणकाल में आक्सीजन की कमी होने पर लोग अब आक्सीजन उत्सर्जन करने वाले पौधे रोपने लगे हैं। दैनिक जागरण के आओ लगाएं बरगद प्रकृति रहे गदगद अभियान के तहत बड़ी संख्या में लोग बरगद के पौधे लगाने के लिए संकल्पित हो रहे हैं। पर्यावरण प्रेमियों के साथ जागरण की इस मुहिम का आप भी हिस्सा बन सकते हैं।

वट सावित्री का व्रत रखने वाली सुहागिन करेंगी पूजा : बरगद का पेड़ शहर हो या फिर गांव, अब कम ही दिखाई देता है। शहर की अधिकांश कालोनियों और मोहल्लों में बरगद के पेड़ नजर नहीं आते। आक्सीजन और छाया देने वाले इस पेड़ की आओ लगाएं बरगद प्रकृति रहे गदगद जागरण ने मुहिम शुरू की है। 10 जून को व्रत सावित्री का व्रत रखने वाली सुहागिन इस दिन बरगद के वृक्ष की पूजा करके सुख समृद्धि की कामना करती हैं। बरगद न के बराबर बचे हैं। सुहागिनों को कटी हुई डाल की पूजा करके परंपरा का निर्वहन करना पड़ रहा है। ऐसे में लोगों को चाहिए कि पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से और व्रत में पूजा के दौरान बरगद की कमी न हो, ऐसे में हर किसी को इसके संरक्षण के लिए संकल्पित होना चाहिए। पर्व के दिन व्रती सुहागिन के स्वजन कम से कम एक बरगद जरूर लगाएं। सुहागिनें भी कम से कम एक बरगद का पौधा रोपेंगी तो पर्यावरण संरक्षण में और फायदा होगा। पर्यावरण प्रहरी अजीत ने बताया कि शहर में कचहरी, कंपनीबाग, कृष्णा भगौती, दक्षिण दरवाजा और ओड़वारा समेत अन्य जगहों पर बरगद के पौधे लगाए हैं। अब ये बड़े हो रहे हैं। लोग पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएं और जीवन में बरगद के पौधे जरूर लगाएं। इससे आक्सीजन की कमी भी दूर होगी।

दुनिया का सबसे विशाल बरगद का पेड़ भारत में : दुनिया का सबसे विशालकाय बरगद का वृक्ष भारत में है, जो कोलकाता के आचार्य जगदीश चंद्र बोस बाटनिकल गार्डन में है। 1787 में इसे यहां रोपित किया गया था। यह करीब 25 मीटर ऊंचा और 14500 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। 3000 से अधिक जड़ें हैं इसीलिए इसे दुनिया का सबसे चौड़ा वृक्ष और वाकिंग ट्री भी कहते हैं। इस वृक्ष पर पक्षियों की 85 से अधिक प्रजातियां निवास करती हैं। इसे गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया गया है। भारत सरकार ने इसके सम्मान में डाक टिकट जारी किया है। इसे बाटनिकल सर्वे आफ इंडिया का प्रतीक बनाया गया है।

खूबियां समेटे है बरगद : इसके पेड़ में कई महत्व छिपे हुए हैं। पेड़ के नीचे की मिट्टी में कुल 13 सूक्ष्म जीव पाए जाते हैं जो खेती के लिए काफी लाभदायक हैं। इसमें अजोटोबेक्टर, बैसिलस, अजोसपीरल्म, सुडोमोनास, नाइट्रोजन फिक्सर, पेनिसिलियान, एसपरजीलस, ब्ल्यू ग्रीन एल्गीएसीट, फंगस, मोल्ड्स प्रोटोजोआ, एक्टीनोमाइसटीज आदि पाए जाते हैं।

पंचगव्य, जीवामृत, बीजामृत युक्त पानी, मटका खाद, नाडेप कम्पोस्ट, गोमूत्र कम्पोस्ट और टी संजीवक आदि को जैविक खाद कहते हैं। बरगद के नीचे की मिट्टी एक उत्तम जैविक खाद है। यह मिट्टी फसल के लिए गुणकारी है और इसे पेड़ के नीचे से छह महीने में एक बार निकाल कर फसल में प्रयोग कर सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण से ही सम्भव है मानव जीवन का अस्तित्व : अजीत

बस्ती। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण प्रहरी अजीत के नेतृत्व में ज़िला चिकित्सालय प्रांगण में पूर्व में लगाए गए पौधों का ट्री गार्ड लगाकर संरक्षण एवं औषधीय पौधो का वितरण किया गया। पर्यावरण सन्तुलन बनाये रखने के लिए अधिकाधिक पौधो के रोपण का संकल्प लिया गया। पर्यावरण मित्र अजीत ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर तुलसी, नींबू, आंवला, सहजन, अजवाईन, गुलाब, बेल, गिलोय, एलोवेरा, तेजपत्ता, बेल सहित औषधीय पौधों का लोगो में वितरण किया गया। उन्होने बताया कि आज पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी सम्पूर्ण मानव जाति पर है। क्योकि बढ़ती जनसंख्या एवं कल कारखानो के निर्माण से जंगल खत्म होते जा रहे है वायुमण्डल में आक्सीजन की कमी होती जा रही है। प्रकृति में धीरे धीरे नकारात्मक बदलाव होता जा रहा है, जिसका कालान्तर में कुप्रभाव मानव जाति पर ही पड़ेगा। अभी भी वक्त है अगर पर्यावरण् संरक्षण को लेकर हम नही चेते तो निश्चय ही पृथ्वी पर मानव जीवन संकट में आयेगा। पौध वितरण के दौरान साथी पर्यावरण मित्र रागिनी, खुशबू, रितिका, सत्यदेव, पवन, दीपक ने हिस्सा लेकर लोगों को औषधीय पौधो को अपने घर आंगन में लगाने के लिए ...

बरगद के वृक्ष का वैज्ञानिक और अनोखा महत्व

बरगद के वृक्ष का वैज्ञानिक और अनोखा महत्व है। इसकी छाया सीधे मन पर असर डालती है और मन को शांत बनाये रखती है। अकाल में भी यह वृक्ष हरा भरा रहता है, अत: इस समय पशुओं को इसके पत्ते और लोगों को इसके फल पर निर्वाह करना सरल होता है। इसकी डालियों और पत्तों से दूध निकलता है जिसका तांत्रिक प्रयोग होता है। इसकी छाल और पत्तों से औषधियां भी बनाई जाती है। बरगद के वृक्ष की किस प्रकार करें उपासना ताकि शनि की पीड़ा से मुक्ति मिले। वट वृक्ष की जड़ में भगवान शिव का ध्यान करते हुए नियमित जल अर्पित करें।

बरगद के फायदे : बरगद के पेड़ के फायदे कई हैं। शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में भी यह काम आ सकती है। विशेषज्ञों के मुताबिक इसकी पत्तियों में कुछ खास तत्व जैसे हेक्सेन, ब्यूटेनाल, क्लोरोफार्म और पानी मौजूद होता है। ये सभी ... बढ़ाने में सहायक साबित होते है। इस कारण हम कह सकते हैं कि बरगद की पत्तियों का सेवन करने से शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

बरगद के पेड़ औषधीय उपयोग में लाया जाता है : बरगद का वृक्ष एक दीर्घजीवी विशाल वृक्ष है। हिंदु परंपरा में इसे पूज्य माना जाता है। अलग-अलग देवों से अलग-अलग वृक्ष उत्पन्न हुए, उस समय यक्षों के राजा मणिभद्र से वटवृक्ष उत्पन्न हुआ, ऐसा मानते हैं। इसके पूजन से और इसकी जड़ में जल देने से पुण्य प्राप्ति होती है। यह वृक्ष त्रिमूर्ति का प्रतीक है, इसकी छाल में विष्णु, जड़ में ब्रह्मा और शाखाओं में शिव का वास माना जाता है। पीपल को विष्णु का प्रतीक माना जाता है, बरगद को शिवजी माना जाता है। यह प्रकृति के स... है। इसलिए सं... इसकी विशेष... समय तक जी...

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

पर्यावरण संरक्षण के लिए करें पौधरोपण : अजीत

संवाददाता स्वतंत्र भारत

बस्ती। धरती पर पर्यावरण का सन्तुलन बनाये रखने में हरे पेड़ पौधे अहम भूमिका निभाते है।परन्तु मानव द्वारा वृक्षों का बर्बरता पूर्वक दोहन किये जाने से सम्पूर्ण जगत पर संकट का बादल छा गया है। मानसून की असमानता से मानव जाति पर गहरा प्रभाव पड़ा है, पेड़ो के कम होने से धरती पर आक्सीजन की भी कमी होती जा रही है। जिसका नकारात्मक प्रभाव इस बार कोरोना मरीजो के अन्दर आक्सीजन लेवल की कमी का होना तथा हजारो की संख्या में मौत ये बयां करते है कि यदि हम पर्यावरण के बारे में पहले से चेते होते तो आज की प्रकृति में आक्सीजन के लिए हमें दर दर की ठोकरें नही खानी पड़ती, उक्त बाते विगत दस वर्षो से पर्यावरण का संरक्षण कर रहे पर्यावरण प्रहरी अजीत ने कहीं। उन्होंने बताया कि पिछले दस वर्षो से लगातार उनके द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए पौध वितरण एवं रोपण का कार्य किया जा रहा है। उनके द्वारा औषधीय पौधो के अलावा पीपल, बरगद, नीम, पाकड़, महुआ जैसे जीवन दायिनी आक्सीजन देने वाले पौधो का भारी तादात में रोपण किया जा चुका है। अध्ययन काल से ही पर्यावरण के प्रति रूचि दिखाने वाले अजीत ने अपने जीवन के अब तक के दिनो में करीब १० हजार से भी अधिक पौधो का नि: शुल्क रोपण एवं वितरण कर चुके है। उन्होंने बातचीत में यह भी बताया कि हाल में ही, हर घर आंगन में तुलसी का पौध लगाने के लिए एक अभियान चलाया था। जिससे जनपद के शहरी एवं ग्रामीण सुदूर के क्षेत्रो में हजारो तुलसी के पौधो को नि:शुल्क वितरित किया और लोगो से अपने घरो के आंगन में तुलसी का पौधा लगवाया। वह नीम, गिलोय, आंवला, पीपल, बरगद, तुलसी सहित अन्य ऐसे भी पौधों का वितरण करते है जो औषधीय गुणो से परिपूर्ण होने के साथ ही पर्यावरण का सन्तुलन बनाने तथा मनुष्य को प्राकृतिक आक्सीजन मुहैया कराने में अपनी अहम भूमिका निभाती है। अजीत का पर्यावरण के प्रति जागरूकता एवं पौधो के रोपण का कार्य केवल जनपद तक ही नही सीमित है अपितु गैर जनपदों में भी यह कार्य अभियान जोरशोर से चल रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम एवं व्यक्तिगत रूप से भी पर्यावरण संरक्षण के जागरूकता का कार्यों का सम्पादन निरन्तर किया जाता रहा है। अजीत ने बताया कि औषधीय पौधों के गुण एवं लाभ के बारे में उन्हे तमाम पुस्तको तथा इन्टरनेट पर अध्ययन करने के बाद जानकारी हुई तभी से नीम, तुलसी, गिलोय जैसे औषधीय पौधों के प्रति रोपण की रूचि उनके अन्दर पैदा हुई।

शुगर की बेहतरीन औषधि है जंगलजलेबी : अजीत

स्वतंत्र भारत संवाददाता

बस्ती। जंगल जलेबी प्रात: खाली पेट यदि इसे कम से कम २१ दिन ५० से १०० ग्राम प्रतिदिन खा लिया जाए तो शरीर के अंदर जो नेचुरल इंसुलिन बनने की प्रोसेस रुक गई है वह पुन: स्टार्ट हो जाती है। यह कैंसर रोधी होने के साथ साथ पेट से संबंधित समस्याओं के लिए रामबाण है। जंगल जलेबी में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटीडायबिटिक, कैंसररोधी गुण पाए जाते हैं। लेकिन सालभर में सिर्फ अप्रैल और मई महीने में यह एक ही बार फल देता है यानि इसका फायदा आप सालभर नहीं उठा सकते । इसे अंग्रेजी इमली भी कहते हैं, हिंदी में हम इसे जंगल जलेबी कहते हैं कहीं ... के नाम से भी जाना जाता है। इसके अंदर का फल सफेद होता है लेकिन जब यह फल पक जाता है तो फल लाल रंग का हो जाता है। जंगल जलेबी में आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, कार्बोहाइ... मिन सी और प्रोटीन सबसे ... पाए जाते हैं। जंगली ...

प्रतिबंधित पॉलिथीन वैन करने की मांग

बस्ती (एसएनबी)। पॉलिथीन के मामले में न्यायपालिका ने अपना काम कर दिया है । अब देखना है कि विधायिका तथा कार्यपालिका इस मामले में कितना संजीदा है। उच्च न्यायालय के आदेश को कई महीने बीत गए लेकिन अब तक न तो बाजारों में जानलेवा पॉलिथीन की रौनक में कमी आई है और न राज्य सरकार पॉलिथीन के पूर्ण प्रतिबंध पर कानून बनाने की दिशा में कोई कदम उठाती दिख रही है। यह बाते पर्यावरण प्रहरी अजीत ने कही।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में सिंगल यूज पॉलिथीन को पूरी तरह सेप्रतिबन्धित कर दिया है। वैसे भी पॉलिथीन जीवन के लिए घातक है, जिस पर अंकुश लगाने के लिए लोगों को स्वतः आगे आना चाहिए। प्रतिबन्धित पॉलिथीन के प्रभावी रोक पर महिलाएं को भी आगे आना चाहिए। यह घर के बच्चों पर पुरुषों को घरेलू सामानों की खरीददारी के लिए जाते वक्त कपड़े के थैले ले जाने को प्रोत्साहित कर सकती हैं। वहीं रूधौली विधायक संजय जायसवाल ने भी जिलाधिकारी से पत्राचार कर पॉलिथीन की बिक्री पर रोक लगाये जाने का आग्रह किया। पत्र में उन्होंने कहा है कि न्यायालय द्वारा पॉलिथीन पर प्रतिबन्ध लगाये जाने के बावजूद चोरी छिपे बाजारो में पॉलिथीन को दुकानदार खुलेआम बेच रहे है। जिसपर सख्ती बरतने के लिए जिम्मेदार अधिकारी भी विशेष रूचि नही लेते। उन्होंने मांग किया बाजारो एवं दुकानो पर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा निगरानी रखते हुए प्रतिबन्धित पॉलिथीन का प्रयोग कर रहे प्रतिष्ठान मालिको पर सख्त कार्यवाही की जाय।

पालीथिन का प्रयोग कम करना जरूरी

पालीथिन पर्यावरण को कितना नुकसान पहुंचा रहा है, इसे जानते हुए भी इसपर पूरी तरह रोक नहीं लग पा रही है। पालीथिन निर्माण करने वाली कंपनियों पर शासन-प्रशासन रोक नहीं लगा पा रहा है। प्रतिदिन निकलने वाले कूड़े में पालीथिन सर्वाधिक दिखाई पड़ता है। पालीथिन नालियों में फेंके जाने से जलनिकासी अवरूद्ध हो जा रही है। आत्मचिंतन करना चाहिए कि आखिर प्रदूषण के बढ़ते प्रभाव को कैसे कम किया जाए। इसके प्रयोग को कम करने के प्रति लोगों को स्वयं में जागरूकता भी लानी होगी।

अजीत, पचपेड़िया रोड, बस्ती

पेय पदार्थों में मिलावट की जांच जरूरी

गर्मी से बचाव के लिए लोग डिब्बा बंद पेय पदार्थों के साथ लस्सी, फ्रूट जूस आदि का खूब सेवन कर रहे हैं। गन्ने का रस की दुकानें तो छोटे-बड़े सभी बाजारों में हर जगह देखी जा रही हैं। यही हाल बादाम सेक बेचने वालों का भी है, जो लगभग हर जगह अपनी पहुंच बना लिए हैं, लेकिन इन पेय पदार्थों में सफाई के साथ-गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। स्वाद बढ़ाने के लिए दुकानदार केमिकल का धड़ल्ले से प्रयोग कर रहे हैं

प्रकृति पर दें ध्यान

प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति व समाज के उत्थान को ध्यान में रखकर कार्य करना चाहिए। प्रकृति को धरोहर की भांति सहेजने की आवश्यकता है। प्रकृति के सानिध्य में ही रहकर व्यक्ति सुखद जीवन जी पाएगा। व्यक्ति को यह सोचना चाहिए कि जिस वायु और जल की बदौलत जीवन है, उसी को प्रदूषित करने में वह कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। आधुनिकता की आड़ में जहरीली गैसे शुद्ध वायु को हानिकारक बना रही है, जबकि जल को बर्बाद करने में व्यक्ति पीछे नहीं है। नदियों में सीधे गंदा पानी गिराने में उसे कोई संकोच नहीं है। जबतक प्रकृति को ध्यान में रखकर विकास कार्य नहीं किए जाएंगे, मनुष्य का जीवन दिने प्रतिदिन कठिन होता जाएगा।

अजीत सिंह यादव, पचपेड़िया मार्ग, बस्ती

पौध लगाने के साथ संरक्षण की लें जिम्मेदारी

बस्ती (एसएनबी)। हम लोगों के द्वारा लगाये गये पौधो का लाभ आम जनमानस को तभी प्राप्त होगा जब वह सुरक्षित रहकर बड़ा हो जाय। जिसकी सुरक्षा की भी जिम्मेदारी हम सभी की उतनी है जिसना कि पौध रोपण करने की। उक्त बातों पर्यावरण प्रहरी अजीत ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लगाये गये पौधो पर ट्री गार्ड लगाते हुए कही। वह अपने पर्यावरण मित्रो के सहयोग से रोपण किये गये पौधो पर एक वृहद अभियान के तहत ट्री गार्ड लगाने का कार्य कर रहे है।

सोमवार को नगर पालिका क्षेत्र अन्तर्गत बेलवाडाड़ी, सुपेलवा, जिला चिकित्सालय परिसर, जिलाधिकारी आवास के पास, कम्पनी बाग, स्टेडियम परिसर, राजकीय एवं राजकीय कन्या इण्डर कालेज परिसर, स्टेशन रोड सहित तमाम स्थानों पर सैकड़ो पौधो पर पर्यावरण प्रहरी अजीत एवं उनके अन्य पर्यावरण सहायोगियों द्वारा रोपण किये गये पौधो के संरक्षण हेतु उनके चारो तरफ लोहे की जाली लगाने का कार्य किया गया। इसके अलावा त्रिपाठी गली स्थित मोहल्ले वासियों में निःशुल्क पौध का वितरण हुआ। अजीत ने बताया कि अक्सर देखा जाता है कि लोग तमाम अभियान के तहत एव जन्मदिन अवसरो पर पौध का रोपण करते है। लेकिन संरक्षण के अभाव में पौधोवे विकसित होने से पहले ही या तो सूख जाय करते है या फिर छुट्टा पशुओं द्वारा उन खाकर नष्ट कर दिया जाता है। जबतक पौं का पूर्ण रूप से विकास नही हो जाता उनक सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी उतनी ही जितना कि पौध रोपण का समझते है। ए पौधा करीब पांच वर्ष में विकसित होकर पू रूप से सुरक्षित हो जाता है। पौधो के रोप एवं संरक्षण कार्य में पर्यावरण मित्र रागिनं खुशबू, रितिका, शालिनी, सत्यदेव, पवन दीपक ने हिस्सा लिया तथा लोगो क औषधीय पौधों को अपने घर आंगन लगाने के लिए जागरूक किया।

पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देने की जरूरत

हम जिस पृथ्वी पर रहते हैं, वह पर्यावरण संकट की ओर तेजी से बढ़ रही है। आश्चर्य की बात यह है कि मनुष्य इस संकट को जानते हुए भी अनजान बना है। विकास के नाम पर हरियाली पर आरी चलायी जा रही है। प्रतिदिन हजारों पेड़ काट दिए जा रहे हैं। सही मायनों में आज हर व्यक्ति अपनी जरूरतों को पूरा करते समय पर्यावरण संरक्षण का ध्यान नहीं दे रहा है। आने वाली पीढ़ी हमसे यह सवाल जरूर करेगी कि धरती को बचाने के लिए क्या किया। इसलिए आवश्यक है कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी स पौधों को सहेजें।

अजीत सिंह या ती

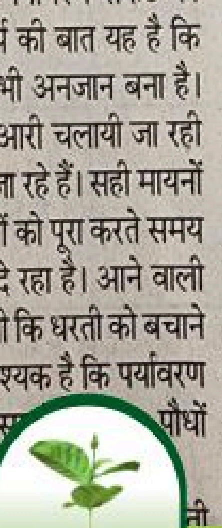

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

जल के बिना कल की कल्पना नहीं

बस्ती। जल है तो कल है बावजूद इसके जल बेवजह बर्बाद किया जाता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जल संकट का समाधान जल के संरक्षण से ही है। हम हमेशा से सुनते आये हैं जल ही जीवन है। जल के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती जीवन के सभी कार्यों का निष्पादन करने के लिये जल की आवश्यकता होती है। पृथ्वी पर उपलब्ध एक बहुमूल्य संसाधन है जल] या यूं कहें कि यही सभी सजीवो के जीने का आधार है जल। धरती का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है] किन्तु इसमें से 97 प्रतिशत पानी खारा है जो पीने योग्य नहीं है] पीने योग्य पानी की मात्रा सिर्फ 3 प्रतिशत है। इसमें भी 2 प्रतिशत पानी ग्लेशियर एवं बर्फ के रूप में है। इस प्रकार सही मायने में मात्र एक प्रतिशत पानी ही मानव के उपयोग हेतु उपलब्ध है।

सुरक्षित पर्यावरण के लिए पौधों को बचाएं

विश्व पर्यावरण दिवस पर बड़ी संख्या में पौधे रोपित किए गए हैं। यह पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों के अंदर जागरूकता का सुखद संकेत है। क्योंकि पौधों से ही जीवन है। वर्तमान में पर्यावरण प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन गयी है। इसके लिए जन-जन को मिलकर पहल करने की जरूरत है। यह अकेले सरकार के वश की बात नहीं है। इसलिए पर्यावरण दिवस पर जिस उत्साह के साथ पौधे रोपित किए गए हैं उनकी देखभाल भी करना जरूरी है। भीषण गर्मी में लापरवाही हुई तो पौधे सूख जाएंगे। पौधों को समय से पानी, खाद के साथ सुरक्षा के लिए बाड़ लगाने पर भी जोर दिया जाए।

अजीत, पर्यावरण मित्र, पचपेड़िया, बस्ती

जल के बिना जीवन की परिकल्पना असम्भव

बस्ती (एसएनबी)। विश्व जिल दिवस के अवसर पर अजीत यादव ने अपने सहयोगियों के साथ शहर स्थित कई मुहल्लो में डोर-टू-डोर घूमकर लोगो से जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। उन्होंने जल को जीवन से परिकल्पना करते हुए जल के महत्व को बताया और बिना वजह जल को बर्बाद न करने की लोगो से अपील किया। उन्होंने जल है तो कल है विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जल-संकट का समाधान जल के संरक्षण से ही है। जल के बिना सुनहरे कल की कल्पना नहीं की जा सकती, जीवन के सभी कार्यो का निष्पादन करने के लिये जल की आवश्यकता होती है। धरती का लगभग तीन चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है, किन्तु इसमें से 97 प्रतिशत पानी खारा है जो पीने योग्य नहीं है, पीने योग्य पानी की मात्रा सिर्फ 3 प्रतिशत है। नगरीकरण और औद्योगिकीरण की तीव गति व बढ़ता प्रदूषण तथा जनसंख्या में लगातार वृद्धि के साथ प्रत्येक व्यक्ति के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है। प्रतिवर्ष यह समस्या पहले के मुकावले और बढ़ती जाती है। लेकिन बारिश आते ही पानी की समस्या दूर हो जायेगी यह सोचकर हम सभी जल सरंक्षण के प्रति बेरुखी अपनाये रहते हैं। इस दौरान सूर्य प्रकाश, अशोक कुमार, राहुल कुमार, अखिलेश कुमार सहित अन्य सहयोगियों ने जल संरक्षण के प्रति लोगो को जागरूक किया।

खानपान की शुद्धता पर दें ध्यान

मनुष्य अपनी औसत आयु नहीं जी पा रहा है, कारण खानपान में शुद्धता की कमी। शुद्ध हवा और पानी भी नहीं मिल रहा है, जो प्राण वायु तत्व के लिए आवश्यक है। धुआं उगलती फैक्ट्रियां हो या वाहन, वायु की शुद्धता में प्रति पल जहर घोल रहीं हैं। वहीं मिलावटी सामान खाकर व्यक्ति रोग को बढ़ा रहा है। जीवन कारकों में शुद्धता को बनाए रखने की जरूरत है। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने की आवश्यकता है।

अजीत, पचपेड़िया, बस्ती

प्लास्टिक प्रदूषण चिंतनीय

प्लास्टिक प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे रोकने के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं वह नाकाफी साबित हो रहे है। नदी, नालों की सफाई में सर्वाधिक कचरा प्लास्टिक का ही निकलता हैं। डिब्बा बंद पेय पदार्थ, पानी की बोतलें तो किसी भी सार्वजनिक स्थल को बदरंग करने के लिए पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। जब तक इसके प्रयोग के प्रति लोग जागरूक नहीं होंगे। प्लास्टिक कचरा पर रोक नहीं लगायी जा सकती है। सरकार को प्लास्टिक उत्पाद कंपनियों पर भी लगाम लगानी चाहिए।

अजीत, पर्यावरण मित्र, पचपेड़िया मार्ग, बस्ती

वन क्षेत्रों में निर्माण कार्यों पर लगे रोक

बढ़ती आबादी, शहरीकरण और विकास की चकाचौंध ने चारों तरफ कंक्रीट के जंगल खड़ा कर दिए हैं। प्रकृति से छेड़छाड़ करते हुए नदी, वन, पहाड़ को अपने अनुकूल बनाने के लिए मनुष्य ने निर्माण करा डाले हैं। वन्य जीवों के आशियाना को पिकनिक स्पाट बना दिया है। हालत यह है कि वन्य जीव जंगल छोड़ मैदानी क्षेत्रों में भोजन की तलाश कर रहे हैं। शायद ही कोई दिन ऐसा होता है जब जंगली जीवों के मैदानी इलाके में हमले की सूचना न आती हो। अभी पीलीभीत जनपद में एक बाघिन एक घर की चहारदीवारी पर बैठी मिली। [illegible] अभी भी चेत जाना चाहिए।

अजीत, पर्यावरण मित्र [illegible]

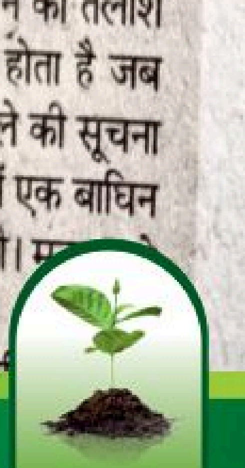

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

आईये हम सभी अपने नाम का एक पौधा अवश्य लगायें।

“बीज में छुपा हैं पेड़
उस बीज की संवेदना को जानों... ।”

अपने घर से निकलने वाले हर बीज को सहेज कर रखिये...
यदि आप लगा सकते हैं तो ठीक नही तो निकट की सरकारी नर्सरी को सौप दीजिये..

आखिर एक बीज पेड़ बनना चाहता हैं.. उसे कूड़े में न फैंके

अभी आप आम व जामुन की गुठली सहेज सकते हैं

आइये हम सभी पर्यावरण संरक्षण के प्रति संकल्पवान हों।

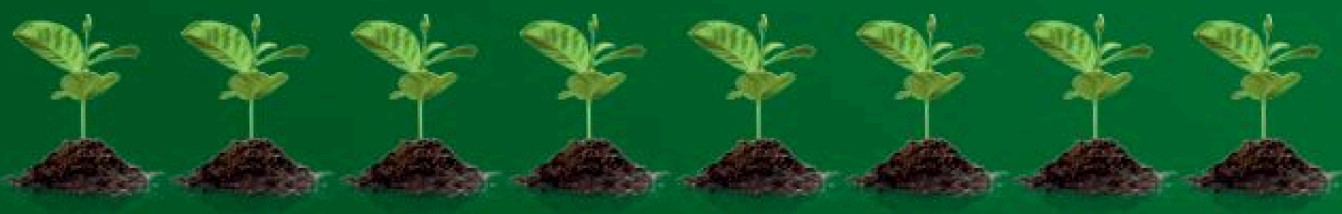

9415045745

पर्यावरण मित्र-अजीत